उसने हमें पवित्रशास्त्र दिया: व्याख्या की नींव

अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्याय
नौ

आधुनिक उपयोग एवं नई वाचा

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

विषय-वस्तु सूची

इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें 3

नोट्स 4

I. **परिचय** (0:20) 4

II. **परिपूर्णता** (2:52) 4
- क. पुराना नियम (3:52) 4
- ख. दोनों नियमों के बीच की समयावधि (12:18) 5
- ग. नया नियम (14:47) 6

III. उपयोग करना (24:49) 7
- क. मार्गदर्शन (27:35) 8
  1. पुराना नियम (29:15) 8
  2. नया नियम (33:47) 9
- ख. उदाहरण (38:36) 10

IV. **सारांश** (53:00) 11

पुनर्विचार हेतु प्रश्न 12

लागू करने हेतु प्रश्न 15

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें

इस अध्ययन मार्गदर्शिका को सम्बद्ध वीडियो अर्थात् चलित दृश्य अध्यायों के साथ संयुक्त रूप में उपयोग करने के लिए निर्मित किया गया है। यदि आपके पास वीडियो उपलब्ध नहीं हैं, तो यह अध्ययन मार्गदर्शिका ऑडियो अर्थात् श्रव्य अध्याय और/या अध्याय की मूल प्रतियों के संस्करणों के साथ कार्य करने के लिए भी सहायता देंगे। इसके अतिरिक्त, अध्याय और मार्गदर्शिका की मंशा एक सीखने वाले समुदाय के उपयोग के लिए की गई है, परन्तु साथ ही इनका उपयोग यदि आवश्यक है तो व्यक्तिगत् अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप अध्याय को देखें**
    - **स्वयं को तैयार करें** – किसी भी अनुशंसित अध्यायों को पढ़ कर पूरा कर लें।
    - **देखने के लिए समय निर्धारित करें** – इस मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड में, अध्याय को उन भागों में विभाजित किया गया है जो कि वीडियो के साथ सम्बद्ध हैं। प्रत्येक मुख्य भाग के साथ दिए हुए लघुकोष्ठकों में दिए हुए समय कोड्स का उपयोग, यह निर्धारित करता है कहाँ से अध्याय देखना आरम्भ किया जाए और कहाँ देखना समाप्त होता है। थर्ड मिलेनियम के अध्याय सघनता से सूचनाओं के साथ भरे हुए हैं, इसलिए हो सकता है कि आप इसे कई टुकड़ों में देखना चाहेंगे। इन टुकड़ों को मुख्य भागों के अनुसार होना चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हैं तब**
    - नोट्स बनाएं — अध्ययन मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड अध्याय की मूल रूपरेखा की जानकारी रखते हैं, जिसमें प्रत्येक खण्ड को आरम्भ किए जाने के लिए समय कोड्स और कुँजी नोट्स सम्मिलित हैं जो कि आपका मार्गदर्शन इन सूचनाओं के लिए करेंगे। अधिकांश मुख्य विचारों को पहले से ही सारांशित कर दिया गया है, परन्तु इन्हें स्वयं के नोट्स के द्वारा पूरक किया जाना सुनिश्चित करें। आपको समर्थन देने वाली अतिरिक्त सामग्री को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को स्मरण करने, विवरण देने से और इनका बचाव करने में सहायता प्रदान करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिख लें** – जब आप वीडियो को देखते हैं, तब हो सकता है कि जो कुछ आप सीख रहे हैं उसके प्रति आपके पास टिप्पणियाँ और/या प्रश्न हों। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को हाशिये में लिखें ताकि इन्हें आप अध्याय को देखने के पश्चात् समूह के साथ साझा कर सकते हैं।
    - **अध्याय के भागों को देखते समय लघु ठहराव/पुन: आरम्भ बटन का उपयोग करें –** आप पाएंगे कि कुछ निश्चित स्थानों पर पुनर्विचार के लिए कठिन अवधारणाएँ, या रूचिपूर्ण बातों पर विचार विमर्श या अतिरिक्त नोट्स लिखने के लिए वीडियो का लघु ठहराव या इसे पुन: आरम्भ करना सहायतापूर्ण है।
- **आपके द्वारा अध्याय को देख लेने के पश्चात्**
    - **पुनर्विचार के लिए प्रश्नों को पूरा करें** – पुनर्विचार के लिए प्रश्न अध्याय की मूल विषय-वस्तु के ऊपर आधारित है। आपको उपलब्ध किए हुए स्थान में पुनर्विचार के प्रश्नों के उत्तर को देना चाहिए। इन प्रश्नों को एक समूह की अपेक्षा व्यक्तिगत् रूप से पूरा किया जाना चाहिए।
    - **उपयोग के लिए प्रश्नों का उत्तर दें/विचार विमर्श करें** – उपयोग हेतु प्रश्न ऐसे प्रश्न हैं जो कि इस अध्याय की विषय-वस्तु के साथ सम्बद्ध होते हुए मसीही जीवन यापन, धर्मविज्ञान और सेवकाई से सम्बधित हैं। उपयोग हेतु प्रश्न लिखित गृहकार्यों या समूह के विचार विमर्श के लिए विषयों के लिए उपयुक्त हैं। क्योंकि लिखित गृहकार्यों के लिए, यह अनुशंसा की जाती है कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बा नहीं होना चाहिए।

© 2013 थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के द्वारा
www.thirdmill.org

नोट्स

I. परिचय (0:20)

II. परिपूर्णता (2:52)

जब मसीह में नई वाचा का अन्त में आगमन हुआ, तो ये अक्षरशः वैसी नहीं हुआ, जैसी कल्पना लोगों ने की थी।

क. पुराना नियम (3:52)

पुराना नियम एक नई वाचा की आशा करता है जो कि परमेश्वर के उन शब्दों में से उठ खड़ी हुई है जिसे उसने भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह के द्वारा कहे थे (यिर्मयाह 31:31-35)

पुनर्स्थापना की पुस्तक (यिर्मयाह 30:1-31:40) बन्धुवाई के कई विवरणों को और बन्धुवाई के बाद आने वाली आशीषों को दुहरा देती है।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

पुराने नियम के दृष्टिकोण से, इस्राएल की पुनर्स्थापना का कार्य "अन्तिम दिनों" या "पिछले दिनों" में इतिहास के शिरो-बिन्दु के समय पर घटित होगा।

वे जो प्रतिज्ञा की हुई भूमि पर वापस लौट कर आए परमेश्वर की सेवा करने में समय समय पर असफल हो गए, और नई वाचा की आशीषें स्थगित कर दी गई (दानिय्येल 9:24)।

ख. दोनो नियमों के बीच की समयावधि (12:18)

दोनों नियम के मध्य की समयावधि : पुराने और नए नियम के मध्य का समय

शास्त्रियों की बहुसँख्यक गिनती ने अन्तिम दिनों की नई वाचा के युग के लिए, इतिहास के दो महान् युगों के शब्दों में बोला:

- "यह युग" : इस्राएल का आरम्भिक इतिहास और दोनों नियमों के मध्य की समयावधि की समकालीन परिस्थितियाँ

- "आने वाले समय का युग" : वह समय जब परमेश्वर के द्वारा इतिहास के लिए निर्धारित उद्देश्य पूर्ण होंगे

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

शास्त्रियों की बहुसँख्यक गिनती ने यह शिक्षा दी कि इस युग से आने वाले युग में परिवर्तन तब होगा जब मसीह का प्रगटीकरण होगा।

ग. नया नियम (14:47)

यीशु ने घोषणा की है कि परमेश्वर का राज्य उसकी पार्थिव सेवकाई के साथ ही आरम्भ हो गया है, जो कि समय के साथ बढ़ता जाएगा, और अन्त में अपने शिरो-बिन्दु में उस समय पहुँच जाएगा जब वह अपनी महिमा के साथ पुन: वापस आएगा।

प्रेरित पौलुस ने कहा कि अन्तिम दिनों का "रहस्य" अतीत के लोगों से छिपा कर रखा गया था, परन्तु इसे अब मसीह में प्रकाशित किया जा रहा था (इफिसियों 3:3-5)।

उदघाटित युगान्तशास्त्र ("अब, परन्तु अभी नहीं) का अर्थ नई वाचा में नए युग की पूर्णता तीन मुख्य अवस्थाओं में पूर्ण होगा :

- उदघाटन् : यीशु के प्रथम आगमन और उसके प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की सेवकाई में आरम्भ किया गया था (इब्रानियों 1:1-2; इफिसियों 2:19-20)।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

- निरन्तरता : सम्पूर्ण कलीसियाई इतिहास में विस्तारित होता है जब मसीह कलीसिया को सुसमाचार की उदघोषणा करता है (2 तीमुथियुस 3:1-5; इफिसियों 3:9-10)।

- शिरो-बिन्दु : अर्थात् पराकाष्ठा में उस समय पहुँचेंगे जब मसीह का पुन: आगमन होगा और परमेश्वर के पूरे इतिहास के लिए मूलभूत उद्देश्य पूर्ण हो जाएंगे (यूहन्ना 3:39; इफिसियों 1:9-10)।

III. उपयोग करना (24:49)

विभिन्न शिखर बिन्दुओं से पवित्रशास्त्र की जाँच करने से, हम हमारे जीवनों में बाइबल को अधिक उत्तम तरीके से लागू करने के लिए सुसज्जित हो जाते हैं।

मसीह के अनुयायियों को पवित्रशास्त्र को आधुनिक संसार में लागू किए जाने के लिए बाइबल का अध्ययन इन तीनों दृष्टिकोणों उदघाटन, निरन्तरता, शिरो-बिन्दु को अपने ध्यान में रखते हुए करना चाहिए।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

क. मार्गदर्शन (27:35)

पवित्रशास्त्र का प्रत्येक उपयोग उचित रूप से मूल अर्थ को समकालीन श्रोताओं के साथ सम्बन्ध करता है।

1. पुराना नियम (29:15)

पुराना नियम बाइबल के इतिहास की छः मुख्य वाचाओं की ओर संकेत करता है, परन्तु पुराने नियम के लेख इनमें से केवल दो युगों: मूसा और दाऊद की वाचाओं के युगों में ही लिखी गई थी।

उन तरीकों को देखना अत्यन्त आवश्यक है जिनमें लेखकों ने नए नियम को नई वाचा की सभी तीनों अवस्थाओं में पुराने नियम को लागू किया।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

2. नया नियम (33:47)

नए नियम की पुस्तकें आरम्भिक रूप से नई वाचा के उदघाटन की अवस्था के मध्य में संकलित हुई थी, परन्तु उनके नई वाचा की निरन्तरता में हमारे लिए कई निहितार्थ हैं।

आज के जीवनों और नये नियम के समय के जीवन के मध्य की कुछ भिन्नताएँ:

मार्गदर्शन के लिए निवेदन परोक्ष में व्यक्तिरूप से प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं से किया जा सकता था ।

- कलीसिया के मूलभूत अगुवों के पारस्परिक वार्तालाप के द्वारा प्रचलित मुद्दों के ऊपर निर्णय लिए जा सकते थे (प्रेरितों के काम अध्याय 15)।

- नया नियम आश्चर्यकर्म और अलौकिक घटनाओं के कई उदाहरणों को प्रस्तुत करता है।

- नए नियम के लेखकों ने सैद्धान्तिक और व्यावहारिक मुद्दों के बारे में लिखा जो कि नई वाचा के उदघाटन के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण थे।

यदि हम मूल अर्थ को समझते हैं, तो हम नई वाचा के युग के मध्य में घटित हुए घटनाक्रमों के आगे के विकास को ध्यान में रखते हुए इसे हमारे स्वयं के समय में लागू कर सकते हैं।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

ख. उदाहरण (38:36)

बाइबल की लगभग प्रत्येक पुस्तक बुरी आत्माओं और वे राष्ट्र जो इनका अनुसरण करते हैं, के विरूद्ध मल्लयुद्ध के विषय के ऊपर अपने ध्यान को केन्द्रित करती हुई स्पर्श करती है।

मल्लयुद्ध के विषय को देखना कि कैसे यह हमारे जीवनों में लागू होता है, हमें इसे अवश्य ही मसीह में नई वाचा के युग की तीन अवस्थाओं के आलोक में देखना चाहिए।

- उदघाटन : बुराई के विरूद्ध मल्लयुद्ध के विषय के कुछ पहलू विशेष रूप से यीशु की पार्थिव सेवकाई में पूरे हो चुके हैं।

- निरन्तरता : मसीह ने बुराई की अन्तिम हार का आरम्भ किया, परन्तु यह मल्लयुद्ध कलीसिया के पूरे इतिहास में प्रत्येक विश्वासी के अनुभव का भी आवश्यक हिस्सा रहेगा।

निरन्तरता के मध्य, हमारी लड़ाई, लोगों की अपेक्षा, शैतान और अन्य बुरी आत्माओं से हैं जो कि इस संसार में कार्यरत् हैं।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

- शिरो-बिन्दु : यीशु बुराई के विरुद्ध चल रही लड़ाई का अन्त उस समय पूरा करेगा जब वह अपनी महिमा में पुन: वापस आएगा।

जब मृत्यु और पाप की अन्तिम हार हो जाएगी, तब मसीह राज्य करेगा और उसके सारे अनुयायियों को उसके साथ उसकी विजय में राज्य करने के लिए निमन्त्रण देगा।

किसी भी बाइबल आधारित विषय को पूरी तरह से लागू करने के लिए, हमें अवश्य यह देखना चाहिए कि कैसे इसे मसीह में नई वाचा की तीनों अवस्थाओं के आलोक में देखा गया है।

IV. सारांश (53:00)

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

पुनर्विचार हेतु प्रश्न

1. दानिय्येल 9:24 के अनुसार, क्यों परमेश्वर ने नई वाचा की प्रतिज्ञा को स्थापित किया जिसे यिर्मयाह अध्याय 31 में पहले से कह दिया गया था?

2. इतिहास के दो बड़े युगों के बारे मे विवरण दें जिसका उल्लेख पुराने नियम के अधिकांश शास्त्रियों ने किया है। इस युग से आगे वाले युग में परिवर्तन के बारे में शास्त्रियों ने क्या शिक्षा दी?

© 2013 थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के द्वारा
www.thirdmill.org

3. किस तरह से नया नियम नई वाचा में यिर्मयाह की आशा की पूर्णता की व्याख्या देता है?

4. "उदघाटित युगान्तविज्ञान" वाक्य के कहने का नए नियम के विद्वानों का क्या अर्थ है, परिभाषा दें। नई वाचा के युग की पूर्णता में तीनों अवस्थाएँ सम्मिलित हैं की सूची बनाएँ और वर्णन करें।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

5. पुराने नियम के संदर्भों के मूल अर्थ को समकालीन श्रोताओं के साथ उचित रूप से सम्बन्धित करने के लिए कुछ सामान्य निर्देश कौन से हैं? नए नियम के संदर्भों के क्या निर्देश हैं?

6. बाइबल के मल्लयुद्ध के ऊपर दिए हुए महत्व का उपयोग करते हुए, सामान्य निर्देशों के उदाहरण दें जिन्हें हमें सामान्य जीवन में लागू करने के लिए उपयोग करना चाहिए।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

लागू करने हेतु प्रश्न

1. क्या पुराने नियम का नई वाचा के ऊपर दृष्टिकोण आपकी समकालीन सेवकाई को प्रभावित करना चाहिए ?

2. भविष्य के लिए परमेश्वर की भव्य आशा, जो यिर्मयाह 31 में पाई जाती है, के क्या प्रभाव, आपकी व्यक्तिगत् बुलाहट और उद्देश्य के ऊपर पड़े हैं?

3. जब हम दानिय्येल 9:24 जैसे स्थानों में दी हुई नई वाचा के पूर्ण विस्तार को परमेश्वर के द्वारा स्थापित कर दिये जाने के बारे में पढ़ते हैं तो कौन से सबक को सीख सकते हैं?

4. आप कैसे मसीह के पुनरागमन और भविष्य में उसकी महिमा के पूर्वानुमान की आशा में जीवन यापन कर रहे हैं? कुछ विशेष उदाहरणों को दें।

5. नई वाचा के उदघाटन, निरन्तरता, और शिरो-बिन्दु का ज्ञान क्या आपके सुसमाचार प्रचार में एक उपयोग संसाधन है ? अपने उत्तर की व्याख्या करें।

6. आपकी सेवकाई या प्रभाव के क्षेत्र में पवित्रशास्त्र को जीवन में लागू करने के लिए सामान्य निर्देशों को आप कैसे उपयोग करेंगे ?

7. जब पवित्रशास्त्र को आज के समय में लागू किया जाता है, तब आप मूल अर्थ को आपके श्रोताओं के साथ उचित रूप से सम्बन्धित करने के कौन से सबसे अधिक पहलू को चुनौती से भरा हुआ होना का विचार करेंगे?

8. नया नियम वास्तव में आरम्भ की कलीसिया के विश्वासियों के लिए लिखा गया था। इस बात को ध्यान में रखते हुए, आप किस तरह से अपने अनुभवों को आरम्भ की कलीसिया के अनुभवों के साथ सम्बन्धित करेंगे?

9. बाइबल के मुख्य विषयों की खोज करें और उपयोग के सामान्य निर्देशों को नई वाचा की तीनों अवस्थाओं में प्रयोग करते हुए इन्हें दर्शाएँ.

10. इस अध्याय से कौन सी सबसे महत्वपूर्ण बात को आपने सीखा है?

© 2013 थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के द्वारा
www.thirdmill.org